IFCI
LIMITED
आई एफ सी आई लिमिटेड
(A Government of India Undertaking)
(भारत सरकार का उपक्रम)

No. IFCI/CS/62/2017 - 399

May 23, 2017

BSE Limited
Department of Corporate Services,
Phiroze JeeJeebhoy Tower,
Dalal Street Fort,
Mumbai – 400 001

CODE: 500106

Dear Sir/ Madam

Re: Copy of Press Release

Please find enclosed herewith copy of press release on the financial result of the company for the quarter/ year ended March 31, 2017.

This is for your information and record please.

Thanking You

Yours faithfully
For IFCI Limited

(Rupa Sarkar)
Company Secretary

Encl: a/a

आई एफ सी आई लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय:
आई एफ सी आई टावर, 61 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली – 110 019
दूरभाष: +91-11-4173 2000, 4179 2800
फैक्स: +91-11-2623 0201, 2648 8471
वेबसाइट: www.ifciltd.com
सीआईएन: L74899DL1993GOI053677

IFCI Limited
Regd. Office:
IFCI Tower, 61 Nehru Place, New Delhi - 110 019
Phone: +91-11-4173 2000, 4179 2800
Fax: +91-11-2623 0201, 2648 8471
Website: www.ifciltd.com
CIN: L74899DL1993GOI053677

IFCI LIMITED

Press Release

Performance Highlights for the quarter/year ended March 31, 2017

The financial year 2016-17 was fraught with high NPAs in the financial sector, with all banks, especially the public sector banks, reporting substantial increase in the levels of gross and net NPAs. Most of the NPAs have emanated from the infrastructure and iron & steel sectors; while some large corporates in auto component, textile and construction sectors have also become NPAs or stressed assets. Though RBI came out with various measures like SDR, S4A, there has not been much improvement in the scenario, with increasing failures of such schemes due to non-availability of potential buyers of such large companies. IFCI being a pure corporate lender, has been affected significantly. The new NPAs and failed SDR cases have increased the provisions against loan assets hugely, apart from reducing the operational income. With low credit offtake and large amount of prepayments from standard assets, the impact on the income has been considerable. The good thing was large amount of recovery from NPAs, which is expected to continue in FY 2017-18. This, along with various other measures like reduction in lending and borrowing costs and disposal of non-core assets and focus on its core business with planned exit from non-contributing subsidiaries and associates is expected to enable the company to have much better performance in the current year.

The financial and operational highlights of IFCI for the year 2016-17 are as under:

Income and Profit

- **Operational income** declined to **Rs.577.53 crore** from **Rs.977.62 crore** in Q4 of previous year. However, same is comparable to income of **Rs.577.28 crore** in the immediate preceding Q3FY17.
- **Operational income** for FY17 was also lower by **28%** at **Rs.2,740 crore** compared to **Rs.3,819 crore** in FY16.
- There was a **loss** of **Rs.318 crore** in Q4FY17 as against loss of **Rs.101 crore** in Q4FY16.
- The FY17 ended with **net loss of Rs.458 crore** compared to net profit of **Rs.337 crore** in FY16.

Important Ratios

- **Capital Adequacy Ratio** stood at **16.7%** for FY17 **against RBI requirement of 15% with Tier I Capital of 11.2%.**
- **Gross NPAs and Net NPAs** as at March 2017 have increased to **31.9%** and **27%** respectively vis-à-vis **13.1% and 9.5%** as at March, 2016.
- Due to new slippages requiring only 10% provision, the **Provision Coverage Ratio reduced to 42%** for FY 2017 from **57.3 %** as at end of FY 2016..
- The **average cost of funds** reduced **to 9.3%** in FY17 from **9.4%** in FY16.
- **Debt equity ratio** reduced to **4.03 on 31 Mar 2017** from **4.50** on 31 Mar 2016.

Other Information

- The **Sanctions and disbursements** for FY17 stood at **Rs.7,923 crore** and **Rs.3,053 crore** respectively.

आईएफसीआई लिमिटेड

प्रैस विज्ञप्ति

31 मार्च, 2017 को समाप्त तिमाही/वर्ष के कार्य-निष्पादन की विशेषताएं

वित्तीय वर्ष 2016-17 वित्तीय क्षेत्र, सभी बैंकों विशेषकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए अलाभकारी परिसम्पत्तियों में बढ़ोतरी का वर्ष रहा, जिसमें सकल व निवल अलाभकारी परिसम्पत्तियों के स्तर में अत्यधिक वृद्धि दर्ज की गई । अधिकतर अलाभकारी परिसम्पत्तियां अवस्थापना और लौह व इस्पात क्षेत्र की कम्पनियों में बनी, जबकि आटो, वस्त्र तथा विनिर्माण क्षेत्रों की कुछ बड़ी कम्पनियां अलाभकारी परिसम्पत्तियां या दबावग्रस्त परिसम्पत्तियां बनी । यद्यपि आरबीआई द्वारा एसडीआर, एस4ए जैसे कई उपाय किए गए, लेकिन ऐसी बड़ी कम्पनियों में महत्वपूर्ण खरीददार न मिलने और ऐसी योजनाओं की असफलता के कारण, परिदृश्य में ज्यादा सुधार नहीं हुआ । आईएफसीआई के केवल निगमित ऋणदाता होने के कारण, यह इससे अत्यधिक प्रभावित हुआ । नई अलाभकारी परिसम्पत्तियों तथा एसडीआर मामलों के असफल होने के कारण, परिचालनात्मक आय में कमी के अतिरिक्त, ऋण परिसम्पत्तियों के मद्दे प्रावधानों में बढ़ोतरी की गई । निम्न क्रेडिट निकासी तथा मानक परिसम्पत्तियों से बड़ी राशि की पुनःअदायगियों के कारण, आय पर पर्याप्त प्रभाव पड़ा । अलाभकारी परिसम्पत्तियों से बड़ी राशि की वसूली करना एक अच्छी बात रही, जो वित्तीय वर्ष 2017-18 में भी जारी रहने की आशा है । विभिन्न अन्य उपायों जैसे ऋण तथा उधार लागत में कटौती और गैर-मूलभूत परिसम्पत्तियों का निपटान तथा अलाभप्रद सहायक व सहयोगी कम्पनियों से योजनाबद्ध रूप से बाहर होकर अपने मूलभूत कारोबार पर ध्यान देने सहित कम्पनी को चालू वर्ष में अच्छे कार्य-निष्पादन की आशा है।

वर्ष 2016-17 के लिए आईएफसीआई की वित्तीय व परिचालनात्मक विशेषताएं निम्नानुसार रहीं:

आय तथा लाभ

परिचालनात्मक आय पिछले वर्ष की चौथी तिमाही के 977.62 **करोड़ रुपए से** कम होकर 577.53 **करोड़ रुपए** रही । तथापि इसकी तुलना वित्तीय वर्ष 2017 की तीसरी तिमाही के 577.28 **करोड़ रुपए** की आय से की जा सकती है ।

परिचालनात्मक आय वित्तीय वर्ष 2017 में 28% कम होकर **2,740 करोड़ रुपए** रही, जबकि वित्तीय वर्ष 2016 में यह 3,819 **करोड़ रुपए** थी ।

वित्तीय वर्ष 2017 की चौथी तिमाही में **318 करोड़ रुपए** की हानि हुई, जबकि वित्तीय वर्ष 2016 की चौथी तिमाही में यह **101 करोड़ रुपए** थी ।

वित्तीय वर्ष 2017 में निवल हानि 458 करोड़ रुपए की हुई, जबकि वित्तीय वर्ष 2016 में 337 करोड़ रुपए का निवल लाभ हुआ था ।

महत्वपूर्ण अनुपात

पूंजी पर्याप्तता अनुपात भारतीय रिजर्व बैंक की 15% की अपेक्षा के विपरीत वित्तीय वर्ष 2017 में **16.7% रहा, जिसमें टियर । पूंजी 11.2% है** ।

सकल अलाभकारी परिसम्पत्तियां और निवल अलाभकारी परिसम्पत्तियां 31 मार्च, 2016 के **13.1%** तथा **9.5% की तुलना में क्रमशः** बढ़कर **31.9% तथा 27% हो गईं** ।

नई अलाभकारी परिसम्पत्तियों के 10% के प्रावधान की आवश्यकता के परिणामस्वरूप, **वित्तीय वर्ष 2016 के** 57.3% **से** कम होकर **प्रावधान कवरेज अनुपात** वित्तीय वर्ष 2017 में 42% रहा ।

वित्तीय वर्ष 2017 में **निधियों की औसत लागत** वित्तीय वर्ष 2016 की **9.4%** की तुलना में घटकर **9.3%** हो गईं ।

31 मार्च, 2017 में **ऋण इक्विटी अनुपात** वित्तीय वर्ष 2016 के **4.5** के मुकाबले घटकर **4.03** रह गया ।

अन्य सूचना

वित्तीय वर्ष 2017 में **मंजूरियां व संवितरण** क्रमशः 7,923 **करोड़ रुपए** तथा 3,053 **करोड़ रुपए के** रहे ।

****